हुए जैसा कि हमारे घोषणा-पत्र में भी और महामहिम राष्ट्रपति के भाषण में भी, है जिसमें उचित और लाभकारी शब्द है समर्थन मूल्य नहीं हैं, उचित और लाभकारी मूल्य दिलाने का सरकार प्रयास करेगी। इसलिये इस आधार पर माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि आप किसानो को चाहे आयल सीड्स हो, चाहे कोई और जो फसले है उसको उचित और लाभकारी मूल्य दिलाने के लिये कौन सा नया डिसिजन मैकेनिज्म लागू करने जा रहे हैं ताकि किसानो को उसका उचित और लाभकारी मूल्य मिल सके ? पिछली बार भी यही स्थिति थी, उसमे आगे हट करके कुछ हो सके, यह मै जानना चाहता हूं ?

श्री बलराम जाखड़ : आपका प्रश्न बिल्कुल ठीक निशाने पर हैं। उत्पादक को उसके काम करने का फल मिलना ही चाहिये। तो आये साल इस बात पर विचार किया जाता है कि खर्चे में कितनी बढ़ोतरी आ गयी हैं और किस प्रकार उत्पादन का पूरा मूल्य उत्पादक को दिया जा सकता हैं। माननीय सदस्य को ज्ञात होगा कि हमारे पास इस किस्म का सारा लेखा जोखा है और क्रॉप्स प्रोडक्शन के लिये जितना खर्चा पड़ता हैं, उसके लिये एक कमीशन भी हैं ... (**व्यवधान**)

एक माननीय सदस्य : गलत कमीशन हैं .. (**व्यवधान**)

श्री बलराम जाखड़ : अब उसको ठीक करेंगे, गलत काम करता है, तो उसको ठीक करेंगे और आपसे सलाह करेंगे। ठीक करने के पश्चात जो सही स्थिति होगी, वह सामने लायेंगे।

एक माननीय सदस्य : तरीका क्या अपनाया जायेगा ?

श्री बलराम जाखड़ : तरीका तो यही है कि सलाह करने से तरीका निकलता है, बात करने से तरीका निकलता है। एक दूसरे से बात करेंगे; आपसे सलाह करेंगे विशेषज्ञों से सलाह करेंगे, किसानों से सलाह करेंगे और उसके पश्चात उसका मूल्य निर्धारित करके खर्चे पूरा करेंगे।

श्री राम नरेश यादव : इसको ठीक करने में कितना समय लगेगा ?

श्री सभापति : आप जानते हैं, इन चीजों पर वक्त तो लगता ही है।

Water problem in New Delhi

*103. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the reasons for the continuing water problem in many New Delhi areas inspite of the steps taken by the New Delhi Municipal Committee to meet the water crisis in Delhi; and

(b) whether the demands put forward by the striking employees were examined and if so, what steps are being taken by Government to meet their demands?

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SMT. SHEILA KAUL): (a) The water problem in many New Delhi areas is part of the larger problem of inadequate water supply in the Union Territory of Delhi as a whole. However, the problem in New Delhi areas is aggravated during peak summer season due to greater scarcity of water, power breakdowns and voltage fluctuations.

(b) The matter has been referred to Delhi Administration by N.D.M.C. and is under examination.

SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Mr. Chairman, Sir, first of all there is a problem here with the hearing-aid. I am unable to hear properly due to defect in the hearing aid... (*Interruptions*)

I am glad that the hon. Minister has accepted the perpetual water problem and it is getting aggravated during the peak summer season. I expect that when she has come to know the ills, she will be able to solve the problem.

Sir, this is not the only problem. The water supplied in Delhi has impurities. If you keep it overnight in a bucket, there is sedimentation, accumulation at the bottom and along the wall of the bucket. All Members here may like to test it, and they will find it.

Secondly, in the NDMC areas there are burst water pipes. The drinking water is getting mixed with unfiltered and impure water. The water supplied is impure, and the pressure is also low. Other problems are also there.

There are two organisations involved in this work, one is NDMC and the other is New Delhi Electricity Supply Company. I think there is no coordination between both the organisations. And the people have become victims of non-coorperation among these organisations. May I know from the Hon'ble Minister whether she would assure the House that a coordination committee would be formed to sort out the differences between the NDMC and the New Delhi Electricity Supply Company so that the problem of water supply as well as other problems like water impurities and pressure due to low voltage may be solved? May I also know from the Minister whether the Government have any plans to put up an additional reservoir so that the perpetual problem of water scarcity is solved?

SHRIMATI SHEILA KAUL: Sir, water is being supplied by the Delhi Water Supply and SDU. It is potable to the standards laid down by the Ministry of Urban Development. The quality of water is tested every now and then right from raw water stage to the storage in reservoir and also in the distribution of water systems at the consumers end. We have got tubewells, rainy wells and tests are conducted every now and then. About 150 water samples are lifted daily from the distribution system, individual taps, public hydrants, etc. All shallow hand-pumps are painted in red colour covering with an indication "water not fit for consumption." The Department has recently added a mobile laboratory in the rural areas of Delhi for monitoring the quality of water in the villages. But in the rainy seasons we do have sediment in the buckets because of the leakages somewhere. I have been told by the officials that they are trying to find out where the leakages are occuring. What was your other point?

SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Coordination Committee.

SHRIMATI SHEILA KAUL: It is a very good idea. I was also saying that we should have coordination in our work. I think in due course we shall look towards it.

MR. CHAIRMAN: Second suupplementary.

श्री रजनी रंजन साहू : महोदय, पानी की समस्या के साथ-साथ जो हमने इम्प्योरिटीज की बात कही, उसको जल्दी से जल्दी रोकने का प्रयास किया जाए । महोदय, जब कभी कर्मचारियों की हड़ताल होती है तो कार्यकर्ताओं द्वारा सबोटाज भी होता है और पानी के पाइप तोड़ दिए जाते हैं और तब यह इम्प्योर वाटर लोगों के घर में चला जाता है । तो इसके प्रति विजिलेंट रहने की आवश्यकता है क्योंकि अगर गंदा पानी लोगों को मिलेगा उससे बीमारियां हो सकती हैं । इसलिए मैं मंत्री महोदया को सुझाव देना चाहूंगा कि जब कर्मचारियों की हड़ताल हो तो पूरी सतर्कता बरती जाए या आर्मी द्वारा निगरानी का प्रबंध करके लोगों को शुद्ध पानी उपलब्ध कराया जाए ।

श्रीमती शीला कौल : पानी पिलाना तो हमारा फर्ज है और मैं समझती हूं कि शुद्ध पानी भी देना चाहिए । लेकिन ऐसा है कि अगर इंसान खुद सोच ले, जो देने वाला है उसकी दिमागी हालत ऐसी है कि हम ऐसा करेंगे तो गलत होगा तो उसका मॉरेल राइट होना चाहिए । अगर हम इससे अलग हो जाते हैं तो चाहे जितनी भी विजिलेंस रख दीजिए, मैं समझती हूं । वह सही नहीं होगा । लेकिन हमारा फर्ज है पानी साफ और सुथरा हो, पीने के काबिल हो, जिससे कोई हानि न हो ।

SHRI JAGMOHAN: I want to know from the hon. Minister the quantum of water that is being consumed by illegal constructions and encroachments which had never been planned in New Delhi or Delhi as a whole. Connected with this is the issue as to how the demand is going to be reduced, that is, the distribution of population in the National Capital Region. That is the real answer. What is being done towards that?

श्रीमती शीला कौल मैं माननीय सदस्य को बताना चाहती हूं कि हमारी दिल्ली की जो आबादी है वह इस वक्त 93.70 लाख है और इसमें नई दिल्ली की 10 लाख है। 3.5 परमेंट परमेनेंट किस्म की है और 6.5 आती जाती रहती है। जो पानी हमारे पास इन लोगों को पिलाने के लिए है, जो पिलाना चाहिए वह 535 मिलियन गैलन रोज इस्तेमाल करना होता है, लेकिन टोटल कैपेसिटी 570 की है। इसलिए हमारे पास शार्टेज पानी की 65 मिलियन गैलन रोज की है। यह हमारे लिए बड़ी समस्या है। लेकिन हम कोशिश कर रहे हैं कि इस समस्या को हम दूर कर सकें। एक तो जब गर्मी आती है तो पानी का इवा पोरेशन ज्यादा होता है और यमुना से जो पानी लेना होता है वह हाइबर्ट हो जाता है ताजे वाला के पास और एरियाज के लिए और हमें तब पानी चाहिए होता है। यह कंटीन्यूअस प्रोसेस है। लेकिन हम चाहते हैं कि हम ऐसे क्वालिटी कंट्रोल और क्वांटिटी कंट्रोल मीजर्स अपनाएं जिससे कि पानी अच्छे तरीके से मिले।

हमारे सदस्य महोदय ने यह कहा कि नेशनल कैपिटल रीजन का जिक्र किया है वह बहुत बड़ी चीज है जिसके लिए हमने प्रोग्राम बनाया है। इसके लिए अलग से सवाल पूछेंगे तो मेरे लिए अच्छा होगा क्योंकि बड़ी चीज है, इसके लिए हमें बहुत काम करना है। अलग से सवाल हो तो बेहतर होगा।

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहब, आपके जरिये से मैं मोहतरमा मिनिस्टर साहिबा से जानना चाहता हूं कि जितना पानी साफ किया जाता है पीने के लिए, उसमें से कितना पुरानी पाइप लाइन होने से जाया होता है और कितना कंज्यूमर को पहुंचता है। यह पानी उन पाइप्स में ज्यादा से ज्यादा कौन से रीजन्स में ज्यादा हो रहा है, जो पुरानी पाइप लाइनें पड़ी हुई हैं?

†[شری سکندر بخت : صدر صاحب آپ کے ذریعے سے میں محترمہ منسٹر صاحبہ سے جاننا چاہتا ہوں کہ جتنا پانی صاف کیا جاتا ہے - پینے کیلئے اسمیں سے کتنا پرانی پائپ لائن ہونے سے ضائع ہو جاتا ہے اور کتنا کنزیومر کو پہونچتا ہے - یہ پانی ان پائپس میں زیادہ کون سے ریچنس میں ضائع ہو رہا ہے - جو پرانی پائپ لائنس پڑی ہوئی ہیں -]

श्रीमती शीला कौल: हमारा जो पानी खराब होता है वह लीकेज में होता है और मालूम पड़ता है कि वह लीकेजेज काफी बड़े हो जाते हैं। इसको ठीक करने की हम कोशिश कर रहे हैं। लेकिन मेरे पास इंफार्मेशन नहीं है कि कितने गैलन लीकेज में जाता है।

श्री सिकन्दर बख्त : इसकी आपके पास फिगर्स होनी चाहिए कि कितना पानी तैयार करते हैं और कितना कंज्यूमर तक पहुंचता है। जितना कम पहुंचता है वह लीकेज में जाया होता है।

†[شری سکندر بخت : اسکی آپ کے پاس فیگرس ہونی چاہئے کہ کتنا پانی تیار کرتے ہیں اور کتنا کنزیومر کو پہونچتا ہے - جتنا کم پہونچتا ہے وہ لیکیج میں ضائع ہوتا ہے -]

SHRIMATI SHEILA KAUL: Well, as I said we want to have 29 million gallons supply for New Delhi and for New Delhi, the shortfall is about 10 million gallons. As far as the details of this concerned, I would need a little time.

†[ ] Transliteration in Arabic script.

SHRI R. K. DHAWAN: Sir, the hon. Minister has just now mentioned that the quality of water and its contamination is tested from time to time. I want to know from her through you, whether there is any system to check the choked drains and the leaking pipes in various lanes and by-lanes which continue for days and days and the NDMC just does not bother about it and the contamination takes place. There was a news item in "The Hindustan Times" "Garbage there for all to see". The way the NDMC is just ignoring the removal of the garbage, the contamination is mostly due to that. What is the remedy and what is the action being taken in this regard?

SHRIMATI SHEILA KAUL: Sir, I think, it will be a great help to us if the people around the area report to us. That is the only way. (*Interruptions*).

SHRI R. K. DHAWAN: I can give the example of my Golf Links. I have lodged complaints with the NDMC for days together that this particular pipe is leaking, this drainage is choked. Not only that, if the carpeting of the road is done you will be surprised and shocked to know that they do it in 10 metres, then leave 20 metres, then again do it in 20 metres and then leave another 20 metres and so on. I myself rang up the NDMC Control Room twenty times to remove the garbage which has been there for days and days but of no avail. What is the action for that?

SHRIMATI SHEILA KAUL: I shall see to it.

MR. CHAIRMAN: See that garbage is removed.

SHRI R. K. DHAWAN: The Administrator of the NDMC feels, he is the emperor of New Delhi. He doesn't bother about anybody... (*Interruptions*).

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI: Sir, we keep on complaining but nobody bothers. If you go to my house, you will find that the water is just flowing. Nobody is there to take care. Nobody is taking anything seriously.

MR. CHAIRMAN: She will take special care of Members of Parliament.

Railway electrification in Andhra Pradesh

*104. SHRI MENTAY PADMANABHAM: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) what are the proposals for railway electrification in Andhra Pradesh pending for clearance with Government; and

(b) the details of the railway electrification work under progress in Andhra Pradesh?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) Nil.

(b) Electrifications of Kazipet-Sanatnagar (143 RKMs) and Patchur-Bisanattam (30 RKMs) sections in Andhra Pradesh are in progress.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: Sir, there is a feeling among the people of Andhra Pradesh that the Railway Ministry is showing discrimination in allocating funds for electrification projects. Sir, the Madras-Howrah line is a trunk line, running through the length of these ports. There is a congestion on this line due to increase in traffic. The electrification between Madras and Vijayawada was over. Now, I would like to know from the Minister whether the electrification of Vijayawada-Visakhapatnam section will be taken up. Sir, Visakhapatnam is now becoming highly industrialised. Steel plant is coming up there. A number of other industries are there. The traffic between Vijayawada and Visakhapatnam is increasing day by day. Therefore, I would like to know from the Minister whether he will assure this House that the electrification from Vijayawada to Visakhapatnam will be taken up in the next year.

SHRI MALLIKARJUN: Sir, at the present moment, there is no proposal to